विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 6, अंक 65 माह - मई, 2024, मूल्य : नि:शुल्क

ग्राम मनेशिया स्थित निताई प्ले स्कूल के बच्चे

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ संघेलिया
अध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

रानेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना संघेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

- सक्सेस स्टोरी -

स्वदेशी मेला के अंतर्गत नए इनीशिएटिव करने वाली सफल उद्यमी की कहानी

सभी कहते हैं अभी युवा हो पढ़ लो, मैं कहती हूं अभी युवा हो पढ़ाई के साथ कुछ कर लो – जसिका

नगर निगम मार्केट में स्थित है कासो बैग की दुकान।

हर व्यक्ति सफल होना चाहता है, आगे बढ़ना चाहता है। हमारे साथ ही ऐसे बहुत सारे लोग होते हैं जो बहुत ही कम संसाधनों में सफलता पा जाते हैं और हम पीछे रह जाते हैं, वह आगे बढ़ते हैं और समाज में सम्मान पाते है। एक संतुष्टि भरा जीवन जीते है। क्या है इसके मायने, कारण क्या है? सागर में लगे स्वदेशी मेले में नए युवा व्यवसाइयों से हमने बातचीत की और उनके अनुभव जानें। हम आपके लिए लाए हैं उन सब की एक संक्षिप्त बातचीत, जो बहुत ही कम उम्र में अपने लक्ष्यों के प्रति पूरी तरह से तैयार है। हम आपको मिलाने जा रहे हैं आज के नए व्यवसायी से जो आपके लिए रोल मॉडल बन सकते है। इनकी कहानी पूरे समाज, बच्चों के लिए उदाहरण है कि आप कमजोर नहीं है बस आपको सही जगह तलाशने की जरूरत है। स्वदेशी मेला के अंतर्गत नए इनीशिएटिव करने वाली व्यवसायी की कहानी जिममें कुछ लड़कियों ने बैग, चाय आदि के नए- नए विचारों की वजह से सफलता की सीड़ी पार की। यह कहानी पूरे परिवार के लिए है, माता-पिता के लिए है, कि उन्हें कहां बच्चों की मदद करनी है और उनके बच्चों के लिए भी है, उन्हें कैसे अपने समय के साथ खुद को तैयार करना है।

परिचय - जसिका सोनी मूलत: बक्सवाहा जिला छतरपुर की रहने वाली है, हाल ही में उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएशन मनोविज्ञान विषय से किया है। इंदौर से काउंसलिंग डिप्लोमा किया, भोपाल के एक एनजीओ से इंटर्नशिप की और मेडिकल कॉलेज सागर से इंटर्नशिप की है। पीएचडी कर लेक्चरर बनना चाहती हैं। जसिका की माता समाजसेवी है और पिता अपना व्यवसाय करते हैं। जासिका कहती है COVID-19 के दौरान लोगों के पास कोई जॉब नहीं थी, मैंने भी जॉब के लिए लिए प्रयास किया, पर बात नहीं बनी। लोग उस समय घरों में बैठे थे। मुझे भी इस समय आइडिया आया कि मुझे भी बिजनेस करना है। ग्रेजुएशन के दौरान मैं पेंटिंग्स बनाती थी और वह पेंटिंग्स 1200 से 1500 रुपये में बिक जाती थी।

मुझे कुछ ना कुछ तो करना था। पर मैं क्या करूं मुझे समझ नहीं आ रहा था। मुझे बैग का बहुत शौक था। हर महीने बैग बदलती थी। मैंने घर पर रहकर कपड़ों से बैग बनाने की शुरुआत की। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपना पेज बनाया। जिस पर मुझे काफी अच्छा रिस्पांस मिला।

- **कासो बैग स्टोर की कैसे हुई शुरुवात और क्या रही कठनाईयां**

पढ़ाई साथ में चल रही थी कुछ नंबर से परीक्षा में पास नहीं हो पा रही थी। मैंने जॉब के भी प्रयास किये। कभी भी कुछ भी हो सकता है, एक शब्द आपका मन बदल सकता है। मैंने एक जगह पढ़ा था कि नौकरी न मिलने का अर्थ यह भी है कि ईश्वर ने आपको मालिक बनने का मौका दिया है। जैसा मैंने पहले ही कहा था कि बैगों का मुझे बहुत शौक था। मैंने घर पर बैग बनाये, डिजायन की, परिवार को बिना बताये ही इंस्टाग्राम पर कासो बैग से पेज बनाकर शुरुवात की। आप विश्वास नहीं करोगे शुरुवात करने के लिए मेरे पास 1900 रुपये थे। कुल बिल 3000 रुपये का बना था, मैने 1100 रुपये दोस्त से उधार लेकर व्यवसाय की शुरुवात की और इसका नाम कासो बैग स्टोर रखा। हमने पहले ऑनलाइन इंस्ट्राग्राम पर बिज़नेस किया।

शुरुवात में किसी का सपोर्ट नही मिला। पापा ने कहा की पढ़ाई करो, कौन खरीदेगा यह बैग। हर दूसरा व्यक्ति आज भी कह देता इसे बंद करके पढ़ाई कर लो। लोग कहते है युवा हो पढ़ लो है, मैं कहती हूं अभी युवा हो पढ़ाई के साथ कुछ कर लो। दिल्ली विजिट किया वहां जाकर देखा यहां क्या चल रहा, लोगों को क्या पसंद आ रहा है। हमने देखा मैन्युफैक्चरिंग में एक दिन के 6000 बैग बन रहे। महीनें का मतलब 60 हजार बैग और यह सब बैग भारत में ही बिक रहे है। ऐसी बहुत सारी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है जो काम कर रही है। यह बैग कोई तो खरीद रहा है। हम अगर स्टॉक में मांगते है तो 15 दिन की वेटिंग मिलती है। फिर हमने दिल्ली से बैग बुलाना शुरू किया। आज मेरी कासो बैग स्टोर के नाम से निगम मार्केट में दुकान है। वर्तमान मैं मेरी दुकान में 7 लाख से ऊपर के बैग रखे हुए हैं और हर माह लगभग दो लाख रूपये का व्यवसाय होता है।

- **स्वदेशी मेला में आपका क्या अनुभव रहा, उत्पादों को कितना मिला बढ़ावा**

स्वदेशी मेला की जानकारी मुझे केंट मॉल के हमारे सहयोगी दुकानदारों से मिली। मेला के शुरुवात में तो हम परेशान हो जाते थे ग्राहकों से डील करना काफ़ी कुछ सीखने लायक रहा। इसके साथ मेरा मेंन फ़ोकस अपने प्रोडक्ट को ब्रांड बनाना था। मेरा सपना है कि हर घर में कासो बैग हो, हमारा लक्ष्य अपने उत्पादों का प्रमोशन करना है। मेले में लोगों ने हमारे बैग को काफी पसंद किया। लोग कहते है बिज़नेस में नुकसान होता है पर मेरा मानना है नुकसान कभी नहीं होता है। अगर हरऐक प्रोडक्ट पर कस्टमर 20 रूपये भी देकर जा तो नुकसान कैसे होगा।

- **कासो बैग स्टोर कितने लोगों के रोजगार का साधन बना और भविष्य की क्या योजना है।**

शुरुवात मैने ऑनलाइन की थी, जैसे - जैसे काम आगे बढ़ा हमारी टीम बढ़ गई फ़िलहाल 15-20 लोग निरंतर काम से जुड़े रहते है। मैं अब सागर में ही मैन्युफैक्चरिंग करने की तैयारी में हूं, जिसमें बड़ी टीम की जरूरत पड़ेगी।

युवाओं के लिए आपके विचार क्या हैं

हर किसी में एक हुनर होता है। मान लीजिये मैं पढ़ाई में अच्छी नहीं होती तब भी मैं कुछ न कुछ कर रही होती। कहने का मतलब आप अपने अंदर जो हुनर है उसे पहचानियें और उस पर काम कीजिए। आज अधिकांश युवा सरकारी नौकरी के पीछे ही भाग रहे है । सफलता व्यवसाय में मेहनत करके भी पाई जा सकती है, यह आपकी जिंदगी है, इसे कैसे सफल बनाना है यह आपकी जिम्मेदारी है।

निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेशिया में इंग्लिश और हिंदी मीडियम से दी जा रही है बच्चों को शिक्षा

प्राथमिक शिक्षा की नींव पर बनता है बच्चों का भविष्य : आकांक्षा

निताई प्ले स्कूल में बच्चे योग करते हुए।

विचार समिति द्वारा संचालित विद्यालय निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेशिया में सत्र 2024-25 की नवीन प्रवेश प्रक्रिया 5 अप्रैल से प्रारंभ हो चुकी है। विद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 1 जून तक रहेगी। सत्र 2024- 25 के लिए नये 20 बच्चों ने दाखिला ले लिया है और 25 बच्चें नामांकन की प्रक्रिया में है। पिछले वर्ष के 38 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत् हैं। इस वर्ष लगभग कुल 100 बच्चे स्कूल में अध्ययन करेंगे। विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने जानकारी देते हुए बताया कि मनेशिया-गांव को बदलने के लिए शिक्षा हमारा पहला कदम है। प्राथमिक शिक्षा से ही बच्चों की नीव मजबूत होती है जिससे उनके भविष्य का निर्माण होता है।

बचपन के पहले आठ साल बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, खासकर पहले तीन साल। यह समय भविष्य के स्वास्थ्य, बढ़त और विकास की बुनियाद होती है। दूसरे किसी भी समय के मुकाबले इस दौरान बच्चे तेजी से सीखते हैं। शिशु और बच्चे तब और जल्दी विकसित और कहीं ज्यादा तेजी से सीखते हैं जब उन्हें प्यार और लगाव, ध्यान, बढ़ावा के साथ ही पोषक भोजन और स्वास्थ्य की अच्छी देखभाल मिलती है। निताई प्ले स्कूल मनेशिया में प्रथम वर्ष के अभ्यास में ही विद्यालय के बच्चों के परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय रहे है। बच्चों ने शत प्रतिशत अंक हासिल किये। यह स्कूल के लिए उपलब्धि भी रही।

कक्षा नर्सरी की छात्रा समृद्धि राजपूत ने 99.30% के साथ प्रथम, वेदिका चड़ार 95.30% द्वितीय और कीर्ति सौर ने 94% के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कक्षा LKG में छात्रा अमरिया कुर्मी ने 98 % हासिल कर प्रथम, भूमिका श्रीवास्तव 96.60% द्वितीय, प्रयांशी सेन ने 93.30 % तृतीय स्थान प्राप्त किया

कक्षा UKG में छात्रा गौरवी राजपूत 91.30% हासिल कर प्रथम स्थान, देविका पटेल 87.30% द्वितीय, संगीता विश्वकर्मा ने 86.60% तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रथम कक्षा में छात्रा भूमिका कुर्मी 92% हासिल कर प्रथम स्थान, अलीशा ठाकुर ने 87.40% द्वितीय, पुष्पेंद्र चड़ार ने 81.20% तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षिकाओं की मेहनत रंग लाई। जिन बच्चों ने कभी स्कूल भी नहीं देखा था, उनके प्रथम वर्ष के अभ्यास में ही परीक्षा परिणाम प्रशंसनीय रहे। स्कूल में बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा दी जाती है। इसके साथ ही भारतीय ज्ञान, परम्परा एवं आदर्शों को ध्यान में रखकर पढ़ाया जा रहा है। विद्यालय में इंग्लिश मीडियम के साथ ही हिन्दी और मातृभाषा का भी अध्ययन कराया जाता है। स्कूल से गाँव के लोगों के दृष्टिकोण में काफी परिवर्तन आया। एक ग्रामीण क्षेत्र में इंग्लिंश मीडियम स्कूल, बच्चों के लिए खेल का बड़ा मैदान, जिससे तरह तरह के खेलों को खेल सके एवं बैठने की उत्तम व्यवस्था, बच्चों को योगाभ्यास, अनुशासन का पालन, बोलने का तरीका, रहन-सहन का भी ध्यान रखा जाता है। न्यूनतम शुल्क, मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को शुल्क में सुविधा या छात्रवृति की सुविधा देना, स्कूल में किताबें, स्टेशनरी, ड्रेस की सुविधा है। अन्य गांव से आ रहे बच्चों को वाहन सुविधा, किताबी ज्ञान के साथ-साथ बच्चों को आध्यात्मिक ज्ञान से भी परिचित करावाकर उन्हें अच्छा नागरिक बनाना है।

स्कूल की प्राचार्य साक्षी दांगी का कहना है कि हमारा यही लक्ष्य है कि हमारे स्कूल के बच्चों को नई शिक्षा नीति के अनुसार ज्ञान से जोड़ा जाये। बच्चे केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रह जाये, उनके वांछित व्यवहार में परिवर्तन आएं। अनुशासन, अपने अधिकारों, कर्तव्यों के साथ बड़ें, अपने लक्ष्य को पूरा करें। यही बच्चे हमारे देश का भविष्य बनेगें। आगे भी हमारे यही प्रयास है कि हम बच्चों को उनकी प्रतिभा पहचानने में मदद करें ताकि प्रत्येक क्षेत्र में वे आगे बढ़ सकें।

अभिभावकों के विचार

स्कूल में पढ़ रहे बच्चों के एक वर्षीय परिणाम पर अभिभावक जयंत कुर्मी कहते हैं कि इतने कम समय में बच्चों ने बहुत कुछ सीखा है, जो हम 6-7 साल की उम्र में नहीं सीख पाते थे, वह हमारे बच्चे 3-4 साल की उम्र में सीख रहे है। ये हमारे लिए गर्व की बात है। अभिभावक मनोज राय ने बताया कि आज हमारे बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कारों का भी ज्ञान दिया जा रहा है। यह बहुत बढ़िया विचार है। अभिभावक विकास सेन ने बताया कि हमारे लिए यह बहुत गर्व की बात है जो ग्रामीण क्षेत्र में एक इंग्लिश मीडियम विद्यालय है और अच्छी शिक्षा के साथ हमारे बच्चे पढ़ रहे हैं। अभिभावक धर्मेन्द्र राजपूत ने बताया कि हमें अपने बच्चों पर और विद्यालय की शिक्षिकाओं पर गर्व है जिन्होंने प्रथम वर्ष में ही हमारे बच्चो को इतना होनहार बना दिया। मध्यमवर्गीय परिवारों को अपने बच्चों को पढ़ाने का यह सुनहरा अवसर है।

एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान द्वारा नि:शुल्क कोचिंग से 22 विद्यार्थियों को मिली सरकारी नौकरी

एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान में पालक कपिल मलैया बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए।

एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान द्वारा केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में शासकीय नौकरी एवं कर्मचारियों की भर्ती हेतु जैसे यू.पी.एस.सी., एम.पी.पी.एस.सी., एस.एस.सी., आई.बी.पी.एस., रेल्वे चयन मंडल, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एवं म.प्र. कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु नि:शुल्क कोचिंग आदिनाथ कार्स परिसर, तिलकगंज में आयोजित की गई है। इस वर्ष के पंजीयन प्रारंभ हो चुके हैं। प्रोफेसर आरसी प्रजापति ने बताया कि अभी तक संस्थान से 22 विद्यार्थियों का पटवारी, आबकारी आरक्षक, पुलिस कांस्टेबल, हाईकोर्ट सहायक ग्रेड-3 आदि सरकारी नौकरी में चयन हो चुका है।

संस्थान के पालक कपिल मलैया ने बताया कि वैश्विक महामारी कोरोना काल में जब विद्यार्थियों के बीच निराशा एवं संसाधनों की कमी के कारण स्वाध्याय प्रभावित हो रहा था तब 23 फरवरी 2022 को एकनाथ शिक्षण संस्थान ने नि:शुल्क कोचिंग के उद्देश्य से सागर में इसकी स्थापना की थी।

पृष्ठभूमि – एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान का नाम स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा से कार्य करने वाले, राष्ट्र के प्रति समर्पण और अनुशासन की प्रतिमूर्ति एकनाथ रामकृष्ण रानाडे के नाम पर रखा गया है। जिन्होंने तमिलनाडू के कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक शिला का निर्माण कराया और आजीवन युवाओं को स्वावलंबी शिक्षा प्रदान करने हेतु और उनमें निराशा दूर कर निरंतर उनके मनोबल को बढ़ाने का कार्य करते रहे।

संचालन – एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान के सदस्य एवं मार्गदर्शक मंडल द्वारा संस्थान का संचालन किया जाता है जिसमें प्रमुख अनुभवी समाजसेवी, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं विभिन्न परीक्षाओं में नवचयनित अभ्यार्थियों की मासिक बैठक में सुझाव के आधार पर समस्त परीक्षाओं का पाठ्यक्रम एवं टेस्ट सीरिज तैयार की जाती है।

कक्षाएं – समस्त कक्षाएं चार सत्रों में संचालित की जाती हैं।

बौद्धिक सत्र : प्रशासनिक अधिकारियों, प्रमुख समाजसेवियों एवं नवचयनित अभ्यार्थियों के व्याख्यान होते हैं।

शैक्षणिक मूल्यांकन सत्र : नियमित क्लास टेस्ट, साप्ताहिक टेस्ट, मौखिक प्रश्नोत्तरी एवं दूरस्थ आन लाइन टेस्ट लिए जाते हैं।

शैक्षणिक भ्रमण : विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक ज्ञान से परिचय कराने के उद्देश्य से ऐतिहासिक, प्राकृतिक, प्रशासनिक, अकादमिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण कराया जाता है।

साक्षात्कार सत्र : साक्षात्कार हेतु विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास हेतु विभिन्न समसामयिक मुद्दों के साथ-साथ परंपरागत विषयों पर परिचर्चा सत्र, भाषण, निबंध, मौखिक प्रश्नोत्तरी एवं प्रशासनिक, पुलिस अधिकारियों का भ्रमण कराया जाता है।

पुस्तकालय अध्ययन केंद्र : प्रतियोगी परीक्षाओं में उपयोगी पाठ्य पुस्तकें, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, टापर्स के नोट्स, गाइड, डिक्शनरी आदि नि:शुल्क प्रदान की जाती है।

प्रवेश प्रक्रिया : पंजीयन शुल्क, दो पासपोर्ट साइज की फोटो, आधार कार्ड या अन्य कोई पहचान पत्र के साथ विद्यार्थी साक्षात्कार परीक्षण में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं।

विचार समिति द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 55 लोगों ने कराई जांच, दवा वितरित

ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है : कपिल मलैया

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में चैकअप करतीं हुईं डॉ. एलिस सराफ।

विचार समिति द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन गुरूवार को सुबह 10 बजे विचार प्रांगण में किया गया। शिविर में डॉ. एलिस सराफ (एमबीबीएस, मेडीकल आफीसर, पथरिया) ने 55 लोगों का चैकअप किया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मरीज बीपी, शुगर और शरीर के ज्यादा और कम वजन के मिले।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने डॉ. एलिस सराफ का गोबर से बनी घड़ी, माला से सम्मान किया

इसके अलावा महिलालों में कैल्शियम और आयरन की कमी देखी गई जिन्हें परामर्श के साथ नि:शुल्क दवा वितरित की गई। इस अवसर पर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है। कुछ लोगों को तो जांच के दौरान पता चला कि उन्हें बीपी या शुगर की बीमारी है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा एवं समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब भी मौका मिले, इस तरह के शिविर के माध्यम से लोगों की सेवा करना चाहिए। शरीर को स्वस्थ रखना व्यक्ति के हाथ में होता है। इसके लिए उसको नशा और भारी खाना खाने से बचना चाहिए लेकिन आज के दौर में लोगों का जीवन भाग-दौड़ भरा हो गया है। इस कारण से वे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य की जांच करने और उचित देखभाल के लिए परामर्श देना है। यह एक उत्कृष्ट माध्यम है जिससे समाज के सभी वर्गों के लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह आयोजन न केवल लोगों के स्वास्थ्य को सुधारेगा, बल्कि इससे समाज में स्वास्थ्य संवेदना भी बढ़ेगी ।

शिविर के अंत में समिति द्वारा डॉ. एलिस सराफ का गोबर से बनी घड़ी, माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर ज्योति सराफ, अखिलेश समैया, महेश जैन, विनीता जैन, पूनम मेवाती, नीता केशरवानी, पूनम पटैल, रूकमणी सेन, रेखा नामदेव, राहुल अहिरवार, अभिषेक मशीह, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार, सोनू नामदेव, आकांक्षा नामदेव, उमा पटैल, सूरज रैकवार, भूपेन्द्र घोषी आदि उपस्थित थे।

यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस) के छात्र - छात्रायें विचार समिति से करेगी इंटर्नशिप

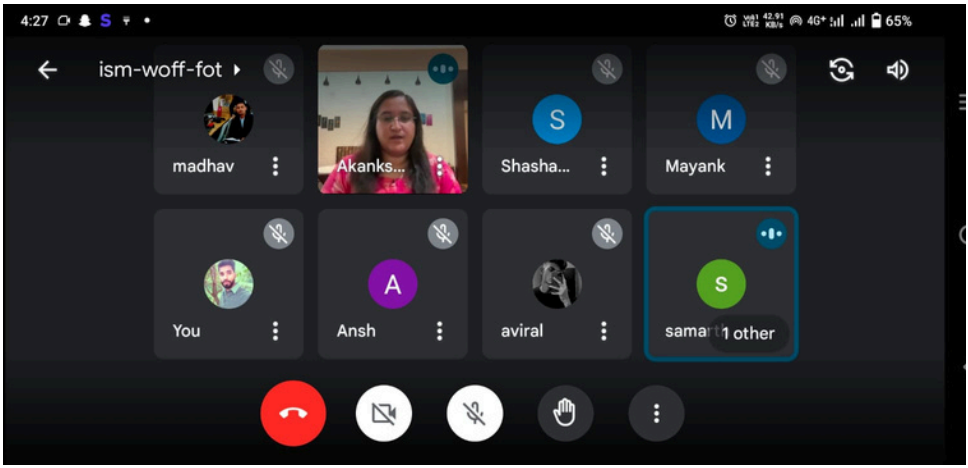

विचार समिति द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस) के छात्रों को सोशल सर्विस इंटर्नशिप कराई जा रही है। इस इंटर्नशिप का नाम है 'सृजन' जो की यूपीईएस यूनिवर्सिटी के "स्कूल फॉर लाइफ" अभियान के अंतर्गत आती है। विचार समिति इंटर्नशिप का उद्देश्य छात्रों को भारत में सामाजिक मुद्दों से अवगत कराकर सामाजिक विकास की चुनौतियों से जोड़कर, समाधान खोजना है। इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों को सहानुभूति विकसित करने और मूल्यवान नेतृत्व कौशल विकसित करने में मदद करना। इंटर्नशिप छात्रों को व्यवसायिक वातावरण में जीवन्त अनुभव प्राप्त करने का भी अवसर प्रदान करता है।

वर्चुअल परिचर्चा संवाद में समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने सभी छात्रों को विचार समिति कार्यपरियोजना की जानकारी दी। संदर्भित समाधान को तलाशने के अवसरों पर बात रखी, जिससे उनका करियर का विकास होता है और उनकी पेशेवर योग्यता बढ़ती है। इसके अलावा, इंटर्नशिप छात्रों को उनके चुने गए क्षेत्र में नेटवर्किंग का अवसर भी प्रदान करता है, जो भविष्य में करियर के लिए महत्वपूर्ण होता है।

समिति सहायक राहुल अहिरवार एवं माधव यादव ने विचार समिति द्वारा किये गए पूर्व एवं वर्तमान कार्यों की विवेचना की एवं अंत में छात्रों की शंकाओं का समाधान प्रश्नोत्तरी के माध्यम से किया गया। यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज के छात्र शशांक दुबे, मयंक दुबे, समर्थ, अंश पचौरी आदि छात्र - छात्रायें विचार समिति की इंटर्नशिप का हिस्सा बनेगी।

एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान ने मनाया राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस

विचार समिति कार्यालय परिसर में संचालित एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान में केंद्र एवं राज्य सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों ने 21 अप्रैल को लौह पुरुष राष्ट्र निर्माता सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर पुष्प अर्पित कर राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस मनाया। एकनाथ स्मृति सेवा न्यास द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं, यूपीएससी, एमपीपीएससी द्वारा आयोजित विभिन्न सिविल सेवा परीक्षाए एसएससी, बैंक, रेलवे एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क तैयारी हेतु संचालित है। इस अवसर पर वर्तमान में सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष चुनौतियां एवं समाधान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्रा जयंती पटेल ने सिविल सेवकों की प्रशासन में भूमिका पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा राष्ट्र की सेवा के लिए अधिकारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता को मान्यता देने के लिए हर साल 21 अप्रैल को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का ऐतिहासिक महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने सिविल अधिकारियों को 'भारत का स्टील फ्रेम' कहा था। पहला समारोह 21 अप्रैल 2006 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित किया गया था।

सोफिया नाज ने सिविल सेवा दिवस के महत्व के बारे में सभी विद्यार्थियों को बताया। यह एक दिन है जब समाज और सरकार सिविल सेवा अधिकारियों के योगदान को सम्मानित करते हैं। सिविल सेवा दिवस युवा पीढ़ी को सिविल सेवा में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर सिविल सेवा के अधिकारियों के योगदान की कहानियां साझा की जाती हैं जो युवाओं को आत्मविश्वास और प्रेरणा प्रदान करती हैं।

श्रष्टि दुबे ने कहा कि सिविल सेवकों के सामने कई चुनौतियां होती हैं जैसे समय-समय पर सिविल सेवाओं को संगठनात्मक परिवर्तन की आवश्यकता होती है ताकि वे विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, और तकनीकी परिवर्तनों के साथ कदम मिला सकें। तकनीकी परिवर्तन तथा नई तकनीकों का सामना करना सिविल सेवकों के लिए एक चुनौती हो सकती है। इसके साथ ही तकनीकी उन्नति को समाज के लाभ के लिए सही ढंग से लागू करना भी मुश्किल हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन पूजा अहिरवार ने किया एवं आभार गोविंद रैकवार ने माना।

सर्टिफिकेट ऑफ़ अचीवमेंट (लर्नर)

आत्मा फाउंडेशन ने विचार समिति के लिए सर्टिफिकेट ऑफ़ अचीवमेंट (लर्नर) प्रदान किया है। यह सर्टिफिकेट FOI 2.0: सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम के अंतर्गत चल रही शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए, एक या अधिक संगठनात्मक क्षमताओं को सफलतापूर्वक बढ़ाने के लिए दिया गया है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित कर उनके उपदेश शिक्षित बनो, संगठित रहो एवं संघर्ष करो विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया। संस्थान के पालक कपिल मलैया ने कहा कि संस्थान निर्धन एवं वंचित वर्गों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान कर शासन प्रशासन की विभिन्न शासकीय सेवाओं के पदों पर चयनित होने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है। समस्त शिक्षित वर्गों को अपने हर संभव प्रयास से छात्रों को जागरूक एवं सशक्त बनाने के लिए कार्य करना चाहिए । प्रोफेसर आरसी प्रजापति ने बताया कि सामाजिक असमानता को दूर करने तथा वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय दिलाने हेतु बाबा साहब का योगदान अतुलनीय हैं। समस्त विद्यार्थियों ने बाबा साहब के संघर्ष को याद करते हुए उनके बताए गए शैक्षणिक मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मीडिया कवरेज

विचार समिति ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, 55 लोगों ने कराई जांच, दवा वितरित की

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन गुरुवार को सुबह 10 बजे विचार समिति प्रांगण में किया गया। शिविर में डॉ. एलिस सराफ ने 55 लोगों का चैकअप किया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मरीज बीपी, शुगर के अलावा ज्यादा और कम वजन के मिले। इसके अलावा महिलाओं में कैल्शियम और आयरन की कमी पाई गई। जिन्हें परामर्श के साथ निःशुल्क दवा वितरित की गई।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है। कुछ लोगों को तो जांच के दौरान पता चला कि उन्हें बीपी या शुगर की बीमारी है।

उन्होंने कहा कि मानव सेवा एवं समाजसेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब भी मौका मिले, इस तरह के शिविर के माध्यम से लोगों की सेवा करना चाहिए। शरीर को स्वस्थ रखना व्यक्ति के हाथ में होता है। इसके लिए उसको नशा और भारी खाना खाने से बचना चाहिए, लेकिन आज के दौर में लोगों का जीवन भाग-दौड़ भरा हो गया है। इस कारण से वे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य की जांच करने और उचित देखभाल के लिए परामर्श देना है। यह एक उत्कृष्ट माध्यम है, जिससे समाज के सभी वर्गों के लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह आयोजन न केवल लोगों के स्वास्थ्य को सुधारेगा, बल्कि इससे समाज में स्वास्थ्य संवेदना भी बढ़ेगी। शिविर के अंत में समिति द्वारा डॉ. एलिस सराफ का गोबर से बनी घड़ी, माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर ज्योति सराफ, अखिलेश समैया, महेश जैन, विनीता जैन, पूनम मेवाती, नीता केशरवानी, पूनम पटैल, रूकमणी सेन, रेखा नामदेव, राहुल अहिरवार, अभिषेक मसीह, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार, सोनू नामदेव, आकांक्षा नामदेव, उमा पटैल, सूरज रैकवार, भूपेन्द्र घोषी आदि उपस्थित थे।

ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है : कपिल मलैया

विचार समिति द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 55 लोगों ने कराई जांच, दवा वितरित

सागर। विचार समिति द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन गुरूवार को सुबह 10 बजे विचार प्रांगण में किया गया। शिविर में डॉ. एलिस सराफ (एमबीबीएस, मेडीकल आफीसर, पथरिया) ने 55 लोगों का चैकअप किया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मरीज बीपी, शुगर और शरीर के ज्यादा और कम वजन के मिले। इसके अलावा महिलाओं में कैल्शियम और आयरन की कमी देखी गई जिन्हें परामर्श के साथ निःशुल्क दवा वितरित की गई। इस अवसर पर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है। कुछ लोगों को तो जांच के दौरान पता चला कि उन्हें बीपी या शुगर की बीमारी है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा एवं समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब भी मौका मिले, इस तरह के शिविर के माध्यम से लोगों की सेवा करना चाहिए। शरीर को स्वस्थ रखना व्यक्ति के हाथ में होता है। इसके लिए उसको नशा और भारी खाना खाने से बचना चाहिए लेकिन आज के दौर में लोगों का जीवन भाग-दौड़ भरा हो गया है। इस कारण से वे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य की जांच करने और उचित देखभाल के लिए परामर्श देना है। यह एक उत्कृष्ट माध्यम है जिससे समाज के सभी वर्गों के लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह आयोजन न केवल लोगों के स्वास्थ्य को सुधारेगा, बल्कि इससे समाज में स्वास्थ्य संवेदना भी बढ़ेगी। शिविर के अंत में समिति द्वारा डॉ. एलिस सराफ का गोबर से बनी घड़ी, माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर ज्योति सराफ, अखिलेश समैया, महेश जैन, विनीता जैन, पूनम मेवाती, नीता केशरवानी, पूनम पटैल, रूकमणी सेन, रेखा नामदेव, राहुल अहिरवार, अभिषेक मसीह, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार, सोनू नामदेव, आकांक्षा नामदेव, उमा पटैल, सूरज रैकवार, भूपेन्द्र घोषी आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 55 लोगों ने कराई जांच, दवा वितरित

सागर, आचरण संवाददाता।

विचार समिति द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन गुरूवार को सुबह 10 बजे विचार प्रांगण में किया गया। शिविर में डॉ. एलिस सराफ (एमबीबीएस, मेडीकल आफीसर, पथरिया) ने 55 लोगों का चैकअप किया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मरीज बीपी, शुगर और शरीर के ज्यादा और कम वजन के मिले। इसके अलावा महिलाओं में कैल्शियम और आयरन की कमी देखी गई जिन्हें परामर्श के साथ निःशुल्क दवा वितरित की गई। इस अवसर पर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है। कुछ लोगों को तो जांच के दौरान पता चला कि उन्हें बीपी या शुगर की बीमारी है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा एवं समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब भी मौका मिले, इस तरह के शिविर के माध्यम से लोगों की सेवा करना चाहिए। शरीर को स्वस्थ रखना व्यक्ति के हाथ में होता है। इसके लिए उसको नशा और भारी खाना खाने से बचना चाहिए लेकिन आज के दौर में लोगों का जीवन भाग-दौड़ भरा हो गया है। इस कारण से वे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य की जांच करने और उचित देखभाल के लिए परामर्श देना है। यह एक उत्कृष्ट माध्यम है जिससे समाज के सभी वर्गों के लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह आयोजन न केवल लोगों के स्वास्थ्य को सुधारेगा, बल्कि इससे समाज में स्वास्थ्य संवेदना भी बढ़ेगी। शिविर के अंत में समिति द्वारा डॉ. एलिस सराफ का गोबर से बनी घड़ी, माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर ज्योति सराफ, अखिलेश समैया, महेश जैन, विनीता जैन, पूनम मेवाती, नीता केशरवानी, पूनम पटैल, रूकमणी सेन, रेखा नामदेव, राहुल अहिरवार, अभिषेक मसीह, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार, सोनू नामदेव, आकांक्षा नामदेव, उमा पटैल, सूरज रैकवार, भूपेन्द्र घोषी आदि उपस्थित थे।

शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है: कपिल मलैया

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 55 लोगों ने कराई जांच

सागर, देशबन्धु। विचार समिति द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन गुरूवार को सुबह 10 बजे विचार प्रांगण में किया गया। शिविर में डॉ. एलिस सराफ ने 55 लोगों का चैकअप किया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मरीज बीपी, शुगर और शरीर के ज्यादा और कम वजन के मिले। इसके अलावा महिलाओं में कैल्शियम और आयरन की कमी देखी गई जिन्हें परामर्श के साथ निःशुल्क दवा वितरित की। इस अवसर पर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है। कुछ लोगों को तो जांच के दौरान पता चला कि उन्हें बीपी या शुगर की बीमारी है। मानव सेवा एवं समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब भी मौका मिले, इस तरह के शिविर के माध्यम से लोगों की सेवा करना चाहिए। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य की जांच करने और उचित देखभाल के लिए परामर्श देना है। शिविर के अंत में समिति द्वारा डॉ. सराफ का गोबर से बनी घड़ी, माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर ज्योति सराफ, अखिलेश समैया, विनीता जैन, पूनम मेवाती, नीता केशरवानी, पूनम पटैल आदि उपस्थित थे।

विचार समिति द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

सागर। विचार समिति द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन गुरूवार को सुबह 10 बजे विचार प्रांगण में किया गया। शिविर में डॉ. एलिस सराफ (एमबीबीएस, मेडीकल आफीसर, पथरिया) ने 55 लोगों का चैकअप किया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मरीज बीपी, शुगर और शरीर के ज्यादा और कम वजन के मिले। इसके अलावा महिलालों में कैल्शियम और आयरन की कमी देखी गई जिन्हें परामर्श के साथ नि:शुल्क दवा वितरित की गई। इस अवसर पर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है। कुछ लोगों को तो जांच के दौरान पता चला कि उन्हें बीपी या शुगर की बीमारी है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा एवं समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

मीडिया कवरेज

भास्कर खास • एकनाथ शिक्षण संस्थान ने 2022 में कोरोना काल के बाद हताश युवाओं के लिए की थी निशुल्क कोचिंग की शुरुआत

निशुल्क तैयारी कराई, 2 साल में 22 विद्यार्थियों ने पाई सरकारी नौकरी

भास्कर संवाददाता | सागर

कोरोना काल के बाद हताश शिक्षित युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने के लिए शहर के बुद्धिजीवी लोगों ने निशुल्क कोचिंग की शुरुआत की। पिछले 2 साल में यहां पढ़े 22 विद्यार्थियों का सरकारी नौकरी के लिए चयन हुआ है।

तिलकगंज में एकनाथ शिक्षण संस्थान के नाम से यह निशुल्क कोचिंग चलाई जा रही है। इसमें केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरी के अलावा यूपीएससी, एमपी पीएससी, एसएससी, आईबीपीएस, रेलवे, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एवं मप्र कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही है। वर्ष 2024-25 के लिए पंजीयन चल रहे हैं।

पुलिस, राजस्व, आबकारी विभाग में मिली नौकरी

संस्था से जुड़े प्रोफेसर रामचरण प्रजापति ने बताया कि अभी तक 22 विद्यार्थियों का पटवारी, आबकारी आरक्षक, पुलिस आरक्षक, हाईकोर्ट सहायक ग्रेड-3 व अन्य सरकारी विभागों में विभिन्न पदों पर चयन हो चुका है। कोरोना काल के बाद विद्यार्थियों में निराशा थी। पैसा, संसाधन और उचित मार्गदर्शन की कमी के कारण तैयारी नहीं कर पा रहे थे। ऐसे युवाओं को देखकर 23 फरवरी 2022 को एकनाथ शिक्षण संस्थान ने निःशुल्क कोचिंग की शुरुआत की। यहां प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी एवं नवचयनित अभ्यर्थियों के व्याख्यान होते हैं।

चयनित विद्यार्थियों ने कहा हमें यहां उचित मार्गदर्शन मिला

कोचिंग में शामिल प्रतिभागी।

आबकारी आरक्षक के पद पर चयनित गौरी ने बताया कि सतना में पदस्थ हूं। मेरा दिल्ली पुलिस, आयुक्त कोष एवं लेखा में स्टेनोग्राफर के पद पर भी सिलेक्शन हो गया था, लेकिन मैं मप्र प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हूं। इस कोचिंग में विभिन्न परीक्षा में सफल होने के लिए तैयार किया जाता है। आरक्षक नरेंद्र ने बताया कि मैंने कोचिंग में अध्ययन और अध्यापन दोनों ही कार्य किए हैं। अध्ययन के साथ अध्यापन की विधि कम समय में सफलता अर्जित करने की कारगर कुंजी है। पोस्टल असिस्टेंट बने दीपक ने बताया कि मेरा चयन अन्य पदों पर भी हुआ है। कोचिंग में मुझे उचित मार्गदर्शन मिला। आबकारी आरक्षक प्रशांत ने बताया कि संस्थान में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित विशेषज्ञों द्वारा सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान, पाठ्य सामग्री और पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाता है। साक्षात्कार से अभ्यर्थी का समय-समय पर मूल्यांकन भी किया जाता है।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को मिल रहा अवसर

एकनाथ शिक्षण संस्थान से जुड़े समाजसेवी कपिल मलैया का कहना है कि यहां संचालित निःशुल्क कोचिंग का उद्देश्य प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। उन्होंने बताया कि प्राइवेट कोचिंग की फीस इतनी ज्यादा है कि मध्यवर्गीय परिवार नहीं दे सकते। कई बार उचित मार्गदर्शन न मिलने से प्रतिभावान विद्यार्थी भी प्रतियोगी परीक्षाओं में नहीं निकल पाता। ऐसे विद्यार्थियों के लिए यह संस्थान अवसर लेकर आया है। उन्होंने बताया कि संस्थान का नाम स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा से कार्य करने वाले एकनाथ रामकृष्ण रानाडे के नाम पर रखा गया है।

स्वदेश

ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है : कपिल मलैया

विचार समिति द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 55 लोगों ने कराई जांच, दवा वितरित

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

विचार समिति द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन गुरूवार को सुबह 10 बजे विचार प्रांगण में किया गया। शिविर में डॉ. एलिस सराफ (एमबीबीएस, मेडीकल आफीसर, पथरिया) ने 55 लोगों का चैकअप किया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मरीज बीपी, शुगर और शरीर के ज्यादा और कम वजन के मिले। इसके अलावा महिलालों में कैल्शियम और आयरन की कमी देखी गई जिन्हें परामर्श के साथ नि:शुल्क दवा वितरित की गई। इस अवसर पर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है। कुछ लोगों को तो जांच के दौरान पता चला कि उन्हें बीपी या शुगर की बीमारी है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा एवं समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब भी मौका मिले, इस तरह के शिविर के माध्यम से लोगों की सेवा करना चाहिए। शरीर को स्वस्थ रखना व्यक्ति के हाथ में होता है। इसके लिए उसको नशा और भारी खाना खाने से बचना चाहिए लेकिन आज के दौर में लोगों का जीवन भाग-दौड़ भरा हो गया है। इस कारण से वे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य की जांच करने और उचित देखभाल के लिए परामर्श देना है। यह एक उत्कृष्ट माध्यम है जिससे समाज के सभी वर्गों के लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह आयोजन न केवल लोगों के स्वास्थ्य को सुधारेगा, बल्कि इससे समाज में स्वास्थ्य संवेदना भी बढ़ेगी। शिविर के अंत में समिति द्वारा डॉ. एलिस सराफ का गोबर से बनी घड़ी, माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर ज्योति सराफ, अखिलेश समैया, महेश जैन, विनीता जैन, पूनम मेवाती, नीता केशरवानी, पूनम पटैल, रूकमणी सेन, रेखा नामदेव, राहुल अहिरवार, अभिषेक मशीह, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार, सोनू नामदेव, आकांक्षा नामदेव, उमा पटैल, सूरज रैकवार, भूपेन्द्र घोषी आदि उपस्थित थे।

Page No. 3 Apr 12, 2024
Sagar Edition
Powered by: erelego.com

दैनिक भास्कर सागर 15-04-2024

डॉ. अंबेडकर के योगदान को याद किया

एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान में डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाई गई। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित कर उनके उपदेश शिक्षित बनो संगठित रहो एवं संघर्ष करो विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से बताया कि सामाजिक असमानता को दूर करने तथा वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए बाबा साहब के योगदान अतुलनीय हैं।

ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है, उन्हें बीमारी क्या है : मलैया

विचार समिति द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 55 लोगों ने कराई जांच, दवा वितरित की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

विचार समिति द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन गुरूवार को सुबह 10 बजे विचार प्रांगण में किया गया। शिविर में डॉ. एलिस सराफ (एमबीबीएस, मेडीकल आफीसर, पथरिया) ने 55 लोगों का चैकअप किया। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मरीज बीपी, शुगर और शरीर के ज्यादा और कम वजन के मिले। इसके अलावा महिलालों में कैल्शियम और आयरन की कमी देखी गई जिन्हें परामर्श के साथ निःशुल्क दवा वितरित की गई। इस अवसर पर विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि ऐसे शिविरों से उन लोगों को ज्यादा फायदा होता है जिनको पता ही नहीं है उन्हें बीमारी क्या है। कुछ लोगों को तो जांच के दौरान पता चला कि उन्हें बीपी या शुगर की बीमारी है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा एवं समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब भी मौका मिले, इस तरह के शिविर के माध्यम से लोगों की सेवा करना चाहिए। शरीर को स्वस्थ रखना व्यक्ति के हाथ में होता है। इसके लिए उसको नशा और भारी खाना खाने से बचना चाहिए लेकिन आज के दौर में लोगों का जीवन भाग-दौड़ भरा हो गया है। इस कारण से वे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पा रहे है और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य की जांच करने और उचित देखभाल के लिए परामर्श देना है। यह एक उत्कृष्ट माध्यम है जिससे समाज के सभी वर्गों के लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह आयोजन न केवल लोगों के स्वास्थ्य को सुधारेगा, बल्कि इससे समाज में स्वास्थ्य संवेदना भी बढ़ेगी।शिविर के अंत में समिति द्वारा डॉ. एलिस सराफ का गोबर से बनी घड़ी, माला से सम्मान किया गया।इस अवसर पर ज्योति सराफ, अखिलेश समैया, महेश जैन, आदि उपस्थित थे।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship Preparation–Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urjaan Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
I2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

विचार समिति
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

VICHAR SAMITI
danamojo
cfpay.dmvicharsamiti@icici
UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर